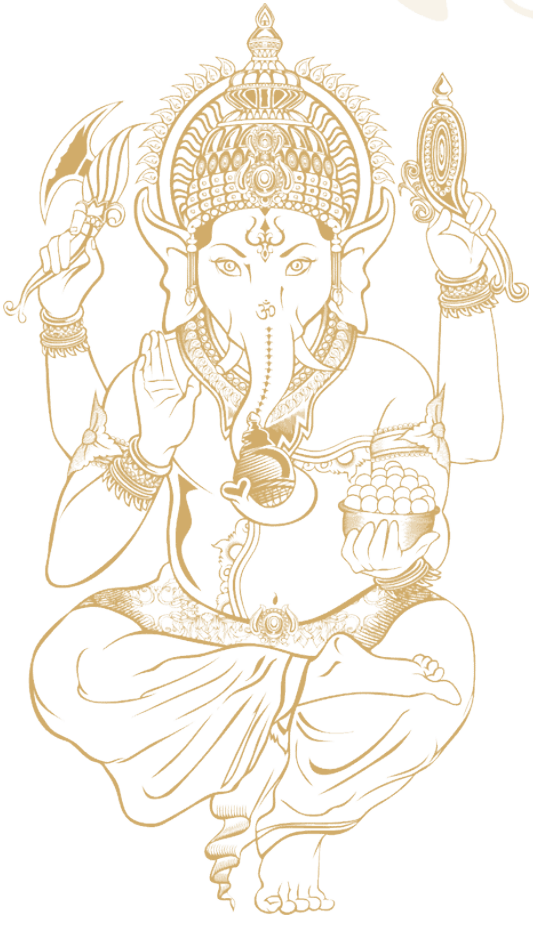

Sweta

04 Aug 1983

12:15 PM

Saharanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121294302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/08/1983**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:15:00 घंटे**
इष्ट	16:27:02 घटी
स्थान	**Saharanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:55:12 घंटे
वेलान्तर	-00:06:07 घंटे
साम्पातिक काल	08:44:18 घंटे
सूर्योदय	05:40:11 घंटे
सूर्यास्त	19:11:11 घंटे
दिनमान	13:31:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:42:50 कर्क
लग्न के अंश	11:52:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ध्रुव
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वाणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:52:38	307:28:36	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			कर्क	17:42:50	00:57:27	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृष	15:30:31	13:49:00	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	00:15:18	00:39:08	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	नीच राशि
बुध			सिंह	10:44:16	01:29:22	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	07:30:02	00:01:06	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	15:52:08	00:01:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
शनि			तुला	05:01:17	00:03:12	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	उच्च राशि
राहु			मिथु	00:27:46	00:00:58	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	उच्च राशि
केतु			धनु	00:27:46	00:00:58	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	11:29:21	00:00:31	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
नेप	व		धनु	03:09:23	00:01:02	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	03:18:20	00:00:56	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	15:01:11	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:24

लग्न-चलित

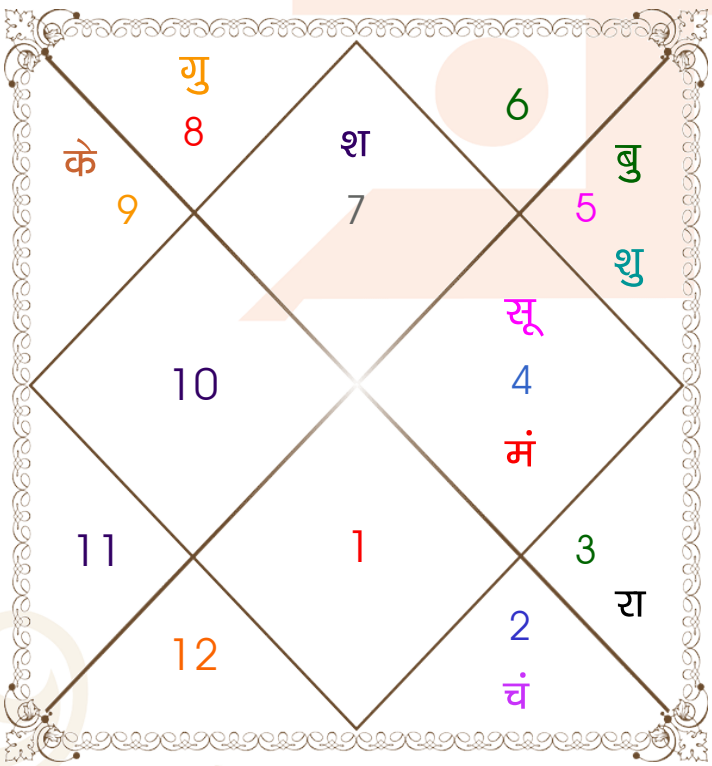

चन्द्र कुंडली

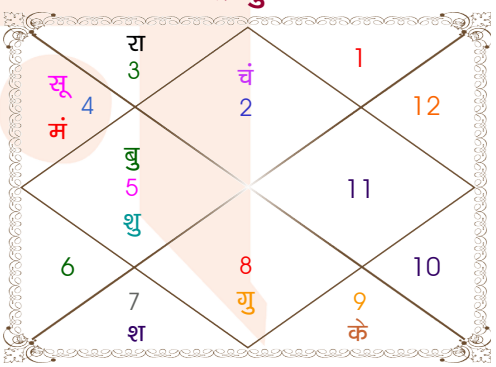

नवमांश कुंडली

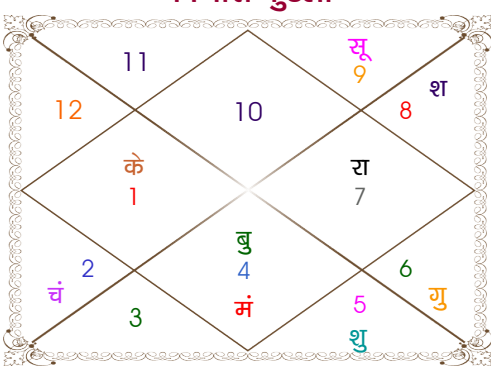

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 10 मास 12 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/08/1983		17/06/1989		16/06/1996		17/06/2014		17/06/2030	
17/06/1989		16/06/1996		17/06/2014		17/06/2030		17/06/2049	
	00/00/0000	मंगल	13/11/1989	राहु	27/02/1999	गुरु	04/08/2016	शनि	20/06/2033
	00/00/0000	राहु	01/12/1990	गुरु	23/07/2001	शनि	15/02/2019	बुध	28/02/2036
	04/08/1983	गुरु	07/11/1991	शनि	29/05/2004	बुध	23/05/2021	केतु	08/04/2037
गुरु	16/09/1983	शनि	16/12/1992	बुध	16/12/2006	केतु	29/04/2022	शुक्र	07/06/2040
शनि	17/04/1985	बुध	13/12/1993	केतु	04/01/2008	शुक्र	28/12/2024	सूर्य	20/05/2041
बुध	16/09/1986	केतु	11/05/1994	शुक्र	04/01/2011	सूर्य	16/10/2025	चंद्र	19/12/2042
केतु	17/04/1987	शुक्र	11/07/1995	सूर्य	28/11/2011	चंद्र	15/02/2027	मंगल	28/01/2044
शुक्र	16/12/1988	सूर्य	16/11/1995	चंद्र	29/05/2013	मंगल	22/01/2028	राहु	04/12/2046
सूर्य	17/06/1989	चंद्र	16/06/1996	मंगल	17/06/2014	राहु	17/06/2030	गुरु	17/06/2049

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/06/2049		17/06/2066		17/06/2073		17/06/2093		17/06/2099	
17/06/2066		17/06/2073		17/06/2093		17/06/2099		00/00/0000	
बुध	13/11/2051	केतु	13/11/2066	शुक्र	16/10/2076	सूर्य	04/10/2093	चंद्र	17/04/2100
केतु	09/11/2052	शुक्र	13/01/2068	सूर्य	16/10/2077	चंद्र	05/04/2094	मंगल	16/11/2100
शुक्र	10/09/2055	सूर्य	20/05/2068	चंद्र	17/06/2079	मंगल	11/08/2094	राहु	18/05/2102
सूर्य	17/07/2056	चंद्र	19/12/2068	मंगल	16/08/2080	राहु	05/07/2095	गुरु	05/08/2103
चंद्र	16/12/2057	मंगल	17/05/2069	राहु	17/08/2083	गुरु	22/04/2096		00/00/0000
मंगल	13/12/2058	राहु	05/06/2070	गुरु	17/04/2086	शनि	04/04/2097		00/00/0000
राहु	02/07/2061	गुरु	11/05/2071	शनि	17/06/2089	बुध	09/02/2098		00/00/0000
गुरु	08/10/2063	शनि	19/06/2072	बुध	16/04/2092	केतु	17/06/2098		00/00/0000
शनि	17/06/2066	बुध	17/06/2073	केतु	17/06/2093	शुक्र	17/06/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।